# राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

आईएसओ 9001: 2015 प्रमाणित

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संस्थान)

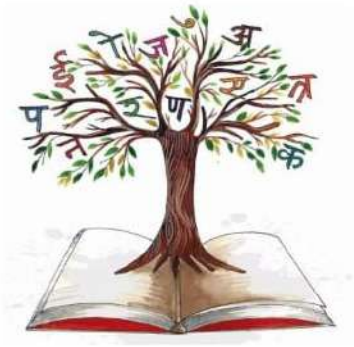

## क्षमता निर्माण प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

## अनुवाद सहायक टूल "कंठस्थ 2.0"

**विशेषज्ञ**

**श्री ललित भूषण**

**अवर लेखा अधिकारी, भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल), राजनगर, गाजियाबाद एवं मास्टर ट्रेनर**

**शुक्रवार , 17 मई 2024**

**सुबह 11:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक**

**सम्मेलन कक्ष, प्रथम तल, अध्यक्ष खंड, रा.मु.वि.शि.सं., मुख्यालय, नोएडा**

**<u>सक्षमता निर्माण प्रकोष्ठ</u>**

**<u>रिपोर्ट</u>**

एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

**अनुवाद सहायक टूल-कंठस्थ 2.0**

हिन्दी न सिर्फ जन-जन की भाषा है बल्कि इसे भारतीय संविधान में भारत की राज्य भाषा के रूप में मान्यता प्राप्त है। हिन्दी में ज्यादा से ज्यादा आधिकारिक कामकाज हो इसका प्रयास सरकारें और संस्थायें हर स्तर पर कर रही हैं। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) हिन्दी के इस्तेमाल में हमेशा अग्रणी रहा है। फलस्वरूप संस्थान अपने कर्मचारियों की हिन्दी में कार्य करने की क्षमता को और बेहतर व् सरल बनाने हेतु , समय-समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता है। इसी क्रम में 17 मई 2024 को हिन्दी अनुवाद सहायक टूल "**कंठस्थ 2.0"** पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान के नोएडा स्थित मुख्यालय के सम्मेलन कक्ष में सम्पन्न हुये इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को हाइब्रिड मोड में आयोजित किया गया। जिसमें संस्थान मुख्यालय सहित देश भर में फैले रा.मु.वि.शि.सं. के क्षेत्रीय केन्द्रों और उप-केन्द्रों के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

कंठस्थ 2.0, डिजिटल प्लैटफ़ार्म पर प्रयोग में लाये जाने वाला एक ट्रांसलेशन मेमोरी तथा न्यूरल मशीन आधारित अनुवाद प्रणाली है। इस मशीन साधित अनुवाद सिस्टम से अनुवाद की प्रक्रिया में सहायता मिलती है। स्मृति आधारित कंठस्थ 2.0 के अनुवाद सिस्टम की मुख्य विशेषता यह है कि यह यूजर द्वारा पहले से ही अनुवादित डेटा को संग्रहित करता है और इस्तेमाल करता है ताकि अनुवादक नए दस्तावेज़ों को अनुवाद करने के लिए पुराने डेटा का उपयोग कर सकें। इस तकनीक का उपयोग ट्रांसलेशन प्रक्रिया को तेज़ और ज्यादा अनुकूल बनाने में मदद करता है। परंतु अगर वाक्य का अनुवाद डेटाबेस में नहीं है , तो यह न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन की सहायता से उस वाक्य का अनुवाद उपलब्ध करता है। न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन (NMT) एक तकनीक है जो विशाल नेटवर्क्स का उपयोग करती है और एक भाषा से दूसरी भाषा में सीधे अनुवाद करती है। यह तकनीक लघु वाक्यों से लेकर लंबे पाठों तक के अनुवाद को करने में सक्षम है।

बहुप्रतीक्षित और बेहद उपयोगी यह प्रशिक्षण कार्यक्रम डॉ. आलोक कुमार गुप्ता, उप निदेशक (सक्षमता निर्माण प्रकोष्ठ) के स्वागत भाषण से शुरू हुआ। डॉ. गुप्ता ने एनआईओएस के सभी उपस्थित कर्मचारियों का स्वागत

किया और उन्हें संस्थान के शीर्ष अधिकारियों, अतिथियों और विषय विशेषज्ञों से परिचित कराया। उन्होंने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के महत्व और आवश्यकता पर भी अपने विचार व्यक्त किए। तत्पश्चात कर्नल शकील अहमद, सचिव (एनआईओएस) ने भी इस अवसर पर प्रतिभागियों के सामने अपने विचार व्यक्त किए और बताया कि कार्यालयी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग करना कितना जरूरी है और कंठस्थ 2.0, हिन्दी में काम करने की प्रक्रिया को कितना सरल बनाता है।

कंठस्थ 2.0 के प्रशिक्षक और विशेषज्ञ श्री ललित भूषण, अवर लेखा अधिकारी, बीएसएनएल ने सर्वप्रथम ट्रांसलेशन और तकनीक की भूमिका का अवलोकन प्रस्तुत किया। इसके बाद उन्होंने अपने प्रस्तुतियों और इंटरैक्टिव सत्रों में कंठस्थ 2.0 से संबन्धित सारे जरूरी पहलुओं को दो भागों में बाँट कर प्रतिभागियों के सामने रखा। जिससे सारी चीजों को समझना सरल हो गया।

विशेषज्ञ ने पहले भाग में कंठस्थ 2.0 के महत्वपूर्ण बिन्दु की चर्चा करते हुये बताया कि इस प्लैटफ़ार्म पर किये जाने वाले सभी कार्य अथवा डेटा राजभाषा विभाग द्वारा NIC के सर्वर पर इन्क्रिप्ट रूप में संगृहीत होते हैं। 20 MB तक की फाइल को अपलोड कर उसका अनुवाद किया जा सकता है । अनुवाद को आसान करने के लिये टेक्स्ट सामाग्री (कंटैंट) को विभाजित करने की सुविधा भी होती है। इसके साथ ही अनुवादित फाइल को कंठस्थ सर्वर के माध्यम से या ई-मेल द्वारा किसी को भी शेयर किया जा सकता है। इसके अलावा यह यूजर द्वारा स्वयं के TM को बनाने और उसे शेयर तथा डाउनलोड करने की भी सुविधा देता है। यूजर अनुवादित सामाग्री को Doc, docx तथा excel की फाइलों में भी एक्सट्रेक्ट या एक्सपोट कर सकते हैं। इतना ही नहीं यूजर सामाग्री को ग्लोबल डेटा में भी भेज सकते हैं जिससे केंद्र सरकार के सभी मंत्रालय, विभाग, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम आदि जुड़े होते हैं।

विशेषज्ञ ने अपने प्रस्तुति के दूसरे भाग में कंठस्थ 2.0 के प्रमुख विशेषताओं को प्रतिभागियों के साथ साझा किया। जिसमें स्मार्ट चैटबॉट (Smart Chatbot) की सुविधा। त्वरित अनुवाद (Instant translation) की सुविधा। अंतिम 10 प्राप्त सूचनाएं (Notification) को उपलब्ध करवाने कि सहूलियत। विभिन्न फ़ाइल-एक्सटेंशन/ फॉर्मेट (36 प्रकार) कि सुविधा तथा ओटोमैटिक स्पीच रिकॉग्निशन जैसे टूल के वारे में विस्तार से बताया।

विशेषज्ञ ललित भूषण ने प्रशिक्षण सत्र में कंठस्थ 2.0 पर कार्य करने हेतु प्रतिभगियों का ऑन द स्पॉट पंजीकरण करा उसके प्रमुख्य टूल का प्रयोग करना सिखाया। साथ ही साथ उनके द्वारा सभी प्रतिभागियों के सवालों और समस्याओं का समाधान भी किया गया।

इस एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम से भाषा अनुवाद के संदर्भ में बहुमूल्य ज्ञान और स्किल का हस्तांतरण प्रतिभागियों में हुआ। कार्यक्रम का अंत हिन्दी का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करने और उसके लिये कंठस्थ 2.0

जैसे टेक्नालजी को प्रयोग में लाने के संकल्प के साथ हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित हुये अतिथियों और श्रोताओं का धन्यवाद ज्ञापन डॉ. आलोक कुमार गुप्ता, उप निदेशक (सक्षमता निर्माण प्रकोष्ठ) के द्वारा किया गया ।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।